

गंध कोकिल पुं. (तत्.) 1. एक सुगंधित वस्तु 2. सुगंध कोकिल (एक विशिष्ट गंध-द्रव्य)।

गंधनकल पुं. (तद्.) छछूंदर।

गंधपत्र पुं. (तत्.) 1. सफेद तुलसी 2. मरुवा 3. नारंगी 4. बेल।

गंध पुष्पा पुं. (तत्.) सुगंध युक्त फूल, केवड़ा, गनियारी।

गंध पूतना स्त्री. (तत्.) एक प्रेतिनी या चुड़ैल।

गंध प्रसारिणी स्त्री. (तत्.) दवा के उपयोग में आने वाली एक लता।

गंध बबूल पुं. (देश.) 1. बबूल की जाति का वह छोटा वृक्ष, जिसके फूल विशेष सुगंधित होते हैं।

गंधमादन पुं. (तत्.) 1. एक पर्वत का नाम 2. भौरा 3. गंधक 4. रावण का नाम।

गंधमासी स्त्री. (तत्.) जटामासी।

गंधमृग पुं. (तत्.) 1. कस्तूरी मृग 2. गंध बिलाव।

गंधराज पुं. (तत्.) 1. मोगरा, बेला 2. चंदन 3. जवादि गंध-द्रव्य।

गंधर्व पुं. (तत्.) 1. देवताओं का एक उपभेद जो देवलोक के गायक माने जाते हैं, गायक 2. मृग 3. घोड़ा 4. जन्म-मरण के बीच की अवस्था वाला जीव 5. सूर्य 6. कोकिल 7. एक हिंदू जाति जिसकी लड़कियाँ नाचने गाने का पेशा करती हैं 8. एरंड 9. संत 10. एक मानस रोग जिसे 'ग्रह' कहते हैं।

गंधर्व-खंड पुं. (तत्.) भारत-वर्ष के नव खण्डों में से एक का नाम।

गंधर्वराज पुं. (तत्.) गंधर्वों का राज चित्ररथ।

गंधर्वलोक पुं. (तत्.) विद्याधर और गुह्यक लोक के मध्य में कथित एक लोक जहाँ गंधर्वों का निवास स्थान माना जाता है।

गंधर्व-विद्या स्त्री. (तत्.) गाने बजाने की विद्या, संगीत- कला।

गंधर्व-विवाह वि. (तत्.) आठ प्रकार के विवाहों में से एक, वह संबंध जो माता-पिता की अनुमति के बिना वर-वधू अपने मन से परस्पर कर लेते हैं।

गंधर्व-वेद पुं. (तत्.) चार उपवेदों में से एक, संगीत शास्त्र।

गंधर्वा स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम।

गंधर्वास्त्र पुं. (तत्.) एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र (दिव्यास्त्र)।

गंधर्वी स्त्री. (तत्.) 1. गंधर्व की स्त्री 2. सुरभि की पुत्री जो घोड़ों की माता थी।

गंधलता स्त्री. (तत्.) प्रियंग, नाम की लता।

गंधलोलुपा स्त्री. (तत्.) 1. मधुकर, भ्रमर 2. मक्खी या मच्छर।

गंधवटी स्त्री. (तत्.) एक प्रसिद्ध मादक पौधा।

गंधवती वि. (तत्.) 1. गंध वाली, गंध युक्त स्त्री. 1. चमेली का एक भेद, वनमल्लिका 2. गंधोत्तम, सुरा 3. मुरा नाम का गंध द्रव्य 4. व्यास की माता, सत्यवती का नाम 5. पृथ्वी 6. वरुणपुरी।

गंधवह पुं. (तत्.) 1. वायु 2. नाक।

गंधवही स्त्री. (तत्.) नासिका, नाक।

गंध हस्ती पुं. (तत्.) मदोन्मत्त हाथी, वह हाथी जिसके कुंभ से मद बहता हो।

गंधवाह पुं. (तत्.) हवा।

गंधा पुं. (तद्.) वह वस्तु जिसमें अच्छी महक हो, सुगंध युक्त वस्तु।

गंधाजीव पुं. (तत्.) इत्र बेचने वाला, गंधी, इत्रफरोश।

गंधाढ्य वि. (तत्.) खुशबूदार पुं. 1. चंदन 2. नारंगी का वृक्ष आदि अति सुगंधित पौधा।

गंधात्ता स्त्री. (तत्.) एक गंधमयी लता।

गंधाना पुं. (देश.) रोला छंद का एक नाम अ.क्रि. महकना, गंध निकलना।